Revised Syllabus

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

B.A. I & II Semester
SANSKRIT

(Based on Choice Based Credit System)

SESSION : 2022-23

ESTD : 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)
Phone : 0788-2212030
Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

Revised Syllabus

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

B.A. I & II Semester
SANSKRIT

(Based on Choice Based Credit System)

SESSION : 2022-23

ESTD : 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Accredited Grade A^{+}, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)
Phone : 0788-2212030
Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)
सत्र : 2022–23
विषय : नाटक एवं व्याकरण

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये संस्कृत अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु संस्कृत विषय के प्रश्नपत्र 100 अंकों के होंगे, जिनमें 80 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिक मूल्यांकन (सतत् व्यापक मूल्यांकन) 20 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खंडों अ, ब, और स में विभक्त होगा।

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।
- संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
- संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
- संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण–लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
- भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन–सर्जन की प्ररणा प्रदान करेगी।

पाठ्यक्रम विवरण

पूर्णांक – 100

क्रेडिट – 4

इकाई 1

अध्यायः स्वप्नवासवदत्तम् : प्रथम, चतुर्थ तथा पंचम अंक

इकाई 2

अध्यायः व्याकरण : सुबन्त (संज्ञाशब्दरूप) राम, कवि, भानु, पितृ, करिन्, कर्तृ, चन्द्रमस, भगवत्, आत्मन्, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, वाच् और रात्रि, सर्वनाम – सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद् एक, द्वि, त्रि और चतुर्

इकाई 3

अध्यायः व्याकरण : तिङन्त (धातुरूप) भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि इन चारों वर्गों के धातुओं के लट् लृट्, लोट् एवं लङ् एवं विधिलिङ् लकारों तथा अस् एवं कृ धातुओं के सभी

लकारों के रूप

इकाई 4

अध्यायः व्याकरण	:	प्रत्याहार एवं संज्ञा प्रकरण लघुसिद्धान्त कौमुदी पर आधारित
		इकाई 5
अध्यायः व्याकरण	:	संधि एवं विभक्त्यर्थ अच्संधिः– यण्, अयादि, वृद्धि, दीर्घ, पूर्व रूप, हलसंधिः – श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, अनुनासिक विसर्गसंधि :– सत्व, रूत्व और उत्व लघु सिद्धान्त कौमुदी अनुसार

अधिगम परिणाम

- अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी।
- पाठ्य नाटक से पर – हितार्थ सहयोग तथा त्याग – भावना की प्रवृत्ति उदित होगी।
- व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य – परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी।
- संस्कृत संभाषण – लेखन का कौशल विकसित होगा।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1.	स्वप्नवासवदत्तम्	:	भासप्रणीत
2.	रचनानुवाद कौमुदी	:	डॉ कपिलदेव द्विवेदी
3.	संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम्	:	डॉ. नरेन्द्र, अरविन्द आश्रम, पाण्डिचेरी
4.	संस्कृतव्याकरण	:	श्रीधर वसिष्ठ
5.	संस्कृत में अनुवाद कैसे करें	:	उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना – 1971
6.	लघुसिद्धान्तकौमुदी	:	श्री शारदा रज्जल रॉय – 1954
7.	संस्कृतनिबन्धरत्नाकर	:	डॉ. शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन दिल्ली –

1977 (द्वितीय संस्करण)

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ, ब, स में विभाजित होगा।
- खण्ड अ में अति लघुउत्तरीय प्रश्न एक या दो वाक्यों में उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे, रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।
- खण्ड ब में लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।
- खण्ड स में दीर्घउत्तरोय/निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।
- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

मूल्यांकन योजना	अधिकतम अंक 100	
बाह्य परीक्षा अति लद्युउत्तरीय लघूत्तरीय अति दीर्घउत्तरीय	खण्ड अ – 08 खण्ड ब – 24 खण्ड स – 48	80 अंक
आंतरिक परीक्षा सतत् व्यापक मूल्यांकन	पाठ्य संबंधित परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रेजेटेंशन – 10 आंतरिक टेस्ट 10	20 अंक

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान	अन्य विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय	1. प्रो. थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल	2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर

बी.ए. – द्वितीय सेमेस्टर (संस्कृत)
सत्र : 2022 – 23
विषय : पद्यकाव्य, कथा एवं साहित्यतिहास

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये संस्कृत अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु संस्कृत विषय के प्रश्नपत्र 100 अंकों के होंगे, जिनमें 80 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिक मूल्यांकन (सतत् व्यापक मूल्यांकन) 20 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खंडों अ, ब, और स में विभक्त होगा।

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।
- संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
- संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
- संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण–लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
- भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन–सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

पाठ्यक्रम विवरण

पूर्णांक – 100

क्रेडिट – 4

इकाई 1

अध्यायः पद्य काव्य : मूल रामायण

इकाई 2

अध्यायः कथा : हितोपदेश कथामुख, कथा 1 लोभी पथिक कथा एवं कथा 2

इकाई 3

अध्यायः समीक्षा : मूल रामायण एवं हितोपदेश समीक्षा

इकाई 4

अध्यायः महाकाव्य : महाकाव्य खंड काव्य, गद्य काव्य

खंडकाव्य, गद्यकाव्य		महाकाव्य – रघुवंश, कुमार सम्भव, बुद्धचरित, सौदरानन्द, किरातार्जुनीय, नैषधीयचरित भट्टी काव्य, जानकी हरण, विक्रमांकदेवचरित, राजतरंगिणी। खंड काव्य – (गीतिकाव्य एवं मुक्तक), शतकत्रय, ऋतुसंघार, मेघदूत, गीतगोविन्द, पंचलहरी। गद्य काव्य – वासवदत्ता, कादम्बरी, हर्षचरित, दश कुमारचरित, शिवराजविजय (इन ग्रन्थों के लेखकों का सामान्य परिचय अपेक्षित)
		इकाई 5
अध्यायः नाटक एवं साहित्येतिहास	:	नाटक एवं साहित्येतिहास नाटक – स्वप्नवासवदत्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, मुद्राराक्षस, वेणीसंघार, नागानन्द परिचय कथा साहित्य – पंचतंत्र, हितोपेदश, वेताल पंचविशंति, कथासरितसागर, वृहत्कथामंजरी। (इन ग्रन्थों के लेखकों का सामान्य परिचय अपेक्षित)

अधिगम परिणाम

- आदिकाव्य रामायण महाकाव्य के अनुशीलन से भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रसार तथा चारित्रिक आदर्श की प्रेरणा प्राप्त होगी।
- पाठ्य विषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे।
- नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्रिक – विकास होगा।
- भारतीय मनीषी तत्व – चिन्तको द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. मूलरामायण : डॉ श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन,वाराणसी
2. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास : श्री राधा वल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, सागर
3. संस्कृतसाहित्य का इतिहास : पं. बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन,वाराणसी
4. हितोपदेश मित्रलाभ : मोतीलाल बनारसीदास काशी अथवा चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. हितोपदेश मित्रलाभ : डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, छ.ग.राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रायपुर (छ.ग.)

मूल्यांकन योजना	अधिकतम अंक 100	
बाह्य परीक्षा अति लघूत्तरीय लघूत्तरीय अति दीर्घत्तरीय	खण्ड अ – 08 खण्ड ब – 24 खण्ड स – 48	80 अंक
आंतरिक परीक्षा सतत् व्यापक मूल्यांकन	पाठ्य संबंधीत परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रजेटेंशन – 10 आंतरिक टेस्ट 10	20 अंक

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	अन्य विभागीय सदस्य 1. प्रो. थानसिंह वर्मा 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर

सत्र : 2022–23

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हासमेंट कोर्स)

भाषा कौशलम्

क्रेडिट – 2
पूर्णांक – 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

1. संस्कृत भाषा के वर्णों की सम्यक् जानकारी देना।
2. संस्कृत भाषा के पठन, लेखन, वाचन में कुशलता लाना।
3. संस्कृत भाषा का सामान्य व्याकरणिक ज्ञान।
4. संस्कृत भाषा के व्यावहारिक जीवन में प्रयोग की जानकारी।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई 1

अध्यायः व्याकरण : वर्णमाला ज्ञान प्रकरण (माहेश्वर सूत्राणि) – संस्कृत भाषा में प्रयुक्त वर्णों का परिचय (स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग)

इकाई 2

अध्यायः व्याकरण : वर्णों का उच्चारण स्थान – संस्कृत में वर्णों के उच्चारण के स्थानों का ज्ञान

इकाई 3

अध्यायः व्याकरण : काल, वचन, पुरूष, लिंग तथा समय का ज्ञान

इकाई 4

अध्यायः व्याकरण : दैनिक व्यावहारिक जीवन में प्रयुक्त होने वाली वस्तुओं के संस्कृत नाम – (फल, फूल, सब्जियाँ, घर–आलमारी, रिश्तों के नाम इत्यादि तथा संख्या का ज्ञान)

इकाई 5

अध्यायः व्याकरण : संस्कृत–संभाषण – आत्म–परिचय, सामान्य–वाक्य–व्यवहार, (दिनचर्या – जागरण, स्नान, भोजन इत्यादि)

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम को अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थियों को –

- संस्कृत भाषा के वर्णों की सम्यक् जानकारी प्राप्त होगी।
- संस्कृत में वाक्य निर्माण प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- संस्कृत में संभाषण की प्रवृत्ति होगी।
- व्याकरण के प्रारंभिक ज्ञान की प्राप्ति होगी।
- संस्कृत के व्यवहार में आने वाले शब्दों का ज्ञान होगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान	अन्य विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय	1. प्रो. थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल	2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर

सत्र : 2022–23

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर (संस्कृत)

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हासमेंट कोर्स)

गीता में आत्म प्रबंधन

क्रेडिट – 2
पूर्णांक – 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- इस पाठयक्रम के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय। अध्यात्म की जानकारी प्रदान करना।
- गीता में दर्शाए जीवन दर्शन से विद्यार्थी को परिचय कराना।
- गीता के ज्ञान से विद्यार्थियों को आत्म प्रबंधन के प्रति जागरूक करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई 1

अध्यायः श्रीमद्भगवत्गीता : गीता परिचय एवं महत्व

इकाई 2

अध्यायः श्रीमद्भगवत्गीता : द्वितीय अध्याय, (सांख्य योग) श्लोक संख्या एक से तीस तक ससंदर्भ व्याख्या

इकाई 3

अध्यायः श्रीमद्भगवत्गीता : द्वितीय अध्याय, (सांख्य योग) श्लोक संख्या तीस से छिहत्तर तक ससंदर्भ व्याख्या

इकाई 4

अध्यायः समीक्षा : गीतासार / समीक्षा / निबंध

इकाई 5

अध्यायः प्रायोगिक : प्रोजेक्ट / असाइनमेंट – गीता में आत्म प्रबंधन पर

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी

- भारतीय जीवन दर्शन को आत्म सात कर उन्नति कर सकेंगे।
- गीता में दर्शाए भौतिक और आध्यात्मिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी अपने जीवन में आत्म प्रबंधन का प्रयोग कर सकेंगे।
- विद्यार्थी जीवन का महत्त्व समझ इसे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान	अन्य विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय	1. प्रो. थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल	2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा Manish
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Thakur